निदेशक संदेश

भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थानों (आई आई एस ई आर) की स्थापना मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एम एच आर डी), भारत सरकार द्वारा एक स्वायत्तशासी संस्थान के रूप में, मौलिक विज्ञान में गुणवत्ता संपन्न शिक्षण तथा शोध को बढ़ावा देने के लिये किया गया। इस प्रयास के अधीन प्रथम दो संस्थान आई आई एस ई आर कोलकाता (आई आई एस ई आर-के) तथा आई आई एस ई आर पुणे की स्थापना 2006 में हुई, तदोपरांत 2007 में आई आई एस ई आर मोहाली एवं आई आई एस ई आर भोपाल तथा 2008 में आई आई एस ई आर थिरुवनंतपूरम, 2015 में आई आई एस ई आर तिरुपति तथा 2016 में आई आई एस ई आर बेरहमपुर की स्थापना हुई। इनका एक प्रमुख लक्ष्य है गुणवत्ता संपन्न शिक्षण तथा कलात्मक शोध के लिये आवश्यक कौतुहल का एकीकरण। आई आई एस ई आर के विकास में शिक्षण एवं शोध दोनों प्रमुख भाग हैं।

आई आई एस ई आर-के ने अपने अस्तित्व के दस साल पूरे किये हैं, एवं शिक्षण, प्रकाशन दोनों की गुणवत्ता एवं मात्रा के माध्यम से विज्ञान में सर्वोत्कृष्टता की स्थापना की है। अनेक स्नातकाधीन छात्र भी अपने पाठ्यक्रम के अंश के रूप में शोध कार्य में लिप्त हैं।

आज आई आई एस ई आर-के के पास उत्साहपूर्ण परिसर, प्रख्यात एवं सशक्त संकाय सदस्य तथा सहारा प्रदान करने योग्य कर्मचारी सदस्य हैं। एवं विविध उपाधि प्राप्त करनेवाले छात्र, देश के सर्वोत्तम छात्रों में से हैं एवं एक प्रशंसनीय संस्कृति की स्थापना हुई है।

संस्थान में एक लचीला शैक्षिक कार्यक्रम तथा कलात्मक शोध सुविधाएँ उपलब्ध हैं। अभी इसके पाँच शैक्षिक विभाग (जैविक विज्ञान, रासायनिक विज्ञान, भू विज्ञान, गणित एवं सांख्यिकी, भौतिक विज्ञान) हैं एवं अनेक सर्वोत्कृष्टता केन्द्र हैं, जैसे : (1) सेन्टर ऑफ़ एक्सिलेंस इन स्पेस साईंसेस इंडिया (सीईएसएसआई), मानव संसाधन विकास मंत्रालय से सहायता प्राप्त (2) नेशनल सेंटर फ़ॉर हाई प्रेशर स्टाडिज़, भू विज्ञान मंत्रालय से सहायता प्राप्त। हाल ही में संस्थान से सहायता प्राप्त "सेंटर फ़ॉर अडवांस्ड फ़ंक्शनल मटेरियल्स (सी ए एफ़ एम)" प्रारंभ हुआ। संस्थान के प्रयास से दो अंतर्विषयक केन्द्र (1) सेंटर फ़ॉर क्लाईमेट एंड एनवायरनमेंटल स्टाडिज़ (सी सी ई एस) एवं सेंटर फ़ॉर लार्ज स्केल कमप्युटिंग (सी एल एस सी) का सृजन हुआ।

आज के दिनांक (11.10.2017) पर आई आई एस ई आर कोलकाता में कुल 1331 छात्र (876 बी एस-एम एस, 1 एम एस बाई रिसर्च, 3 एम एस inइन स्पेस फ़िज़िक्स, 157 आई पी एच डी तथा 294 पी एच डी छात्र) हैं जो विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों के अधीन काम कर रहे हैं। हमारे अनेक पुरातन छात्र, भारत तथा विदेशों के कुछ सर्वोत्तम शोध संस्थानों में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। कुछ प्रख्यात संगठनों/संस्थानों में उत्तम रूप से प्रतिष्ठिyत हैं। हम निश्चित हैं कि आगे आनेवाले वर्षों में यह प्रवाह इसी तरह चलता रहेगा। इस संस्थान में बाह्य निधि प्रदानकारी प्राधिकरणों से सहायता प्राप्त 43 पोस्ट डॉक्टराल अध्येता हैं। आई आई एस ई आर कोलकाता विविध बाह्य तथा पाठ्येतर कार्य-कलापों से भी युक्त है एवं इस हेतु छात्र तथा संकाय सम्प्रदाय को अभिनंदित करना चाहिये।

अभी शिक्षण तथा छात्र कार्य-कलापों के लिये कलात्मक लेक्चर हॉल कॉमप्लेक्स में सुसज्जित श्रेणी कक्ष उपलब्ध हैं। रिसर्च कॉमप्लेक्स, विविध कलात्मक प्रयोगशालाओं सहित टिचींग तथा रिसर्च कॉमप्लेक्स हाउस एवं अन्य सुविधाएँ उपलब्ध हैं। शैक्षिक तथा प्रशासनिक भवन प्राय: तैयार हो चुका है एवं उसमें विविध विभागों में चल रहे आधुनिकतम शोध के लिये आवश्यक स्थान अवश्य प्राप्त होगा। संस्थान ने विविध राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों/संस्थानों से छात्र तथा संकाय आदान-प्रदान एवं शोध सहभागिता के लिये आपसी साझेदारी भी स्थापित की है।

प्रो. सौरव पाल
निदेशक, भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान कोलकाता